# राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना

**डॉ० धिरेन्द्र कुमार**

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के अन्तर्गत अब तक की प्रगति समान्य है। ग्रामीण क्षेत्र में इसका चलन बढ़ रहा है और लोग इस कार्यक्रम में अपनी भागीदारी बढ़ाने को तत्पर है। आर्थिक उदारीकरण एवं ढ़ाचागत समायोजन की आवश्यकताओं के अनुरूप विशेषकर ग्रामीण निर्धनों के जीवन को उच्चतम स्तर तक पहुंचाने हेतु ग्रामीण निर्धनता कार्यक्रमों का अनुपालन किया जा रहा है। इस उद्देश्य पूर्ति के लिए संसाधनों के आवंटन में निरंतर वृद्धि करते हुए ग्रामीण विकास को उच्च प्राथमिकता दी गई है, जिसकी परिणति गरीबी रेखा से नीचे जीवन–यापन करने वाले लोगों की संख्या में कमी है। योजना के अन्तर्गत 2007–08 में लगभग 85 करोड़ मनुष्य–दिवस का कार्य प्रदान किया गया है। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के लिए वर्ष 2007–08 में 1200 करोड़ रूपये का प्रावधान था। इसमें से 30 जनवरी, 2008 तक लगभग 1050 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके है। इस योजना के लिए अधिक धनराशि आवंटित किये जाने से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसरों का विस्तार होगा।